का. उच्चायुक्त महोदय का हिन्दी दिवस वक्तव्य

सम्माननीय प्रो. आख्तरुज्जमान कुलपति ढाका विश्वविद्यालय, प्रो. शिशिर भट्टाचार्जा, निदेशक आधुनिक भाषा संस्थान, कार्यक्रम में उपस्थित सम्मानित विद्वज्जन व हिन्दी प्रेमियो का हार्दिक अभिनन्दन। यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि हम आज यहाँ प्रतिवर्ष की भाँति विश्व हिन्दी दिवस मनाने के लिए एकत्र हुए हैं। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2006 से आज ही के दिन अपने दूतावासों के माध्यम से विभिन्न देशों में यह अन्तरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। विश्व हिन्दी सम्मेलनों के माध्यम से आज हमें यह अहसास होता है कि हिन्दी भारत की सीमाओं को लाँघकर विश्व के हर कोने तक पहुँची है। पिछले वर्ष अगस्त में मॉरीशस में न केवल 11वाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन आयोजित किया गया, बल्कि हमारे राष्ट्रपति महामहिम रामनाथ कोविन्द द्वारा वहाँ फरवरी 2018 में ही विश्व हिन्दी सचिवालय का उद्घाटन किया गया।

हिन्दी के विश्व स्तर पर प्रसार का श्रेय रेडियो, टीवी, मोबाइल, इंटरनेट, उपग्रह चैनलों के द्वारा बढ़ती खबरों व विज्ञापनों की माँग, हिन्दी गानों व फिल्मों की लोकप्रियता को जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी पिछले वर्ष से प्रति शुक्रवार हिन्दी भाषा में अपना साप्ताहिक बुलेटिन प्रारम्भ किया है। आज विश्वीकरण के इस समय में फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्स एप आदि सभी हिन्दी की लोकप्रियता सिद्ध कर रहे हैं। इसलिए सर्च इंजनों की संख्या भी हिन्दी में तेजी से बढ़ रही है। भारत से बाहर अमेरिका, कनाड़ा, रूस, फ्रांस, ब्रिटेन, चीन, जर्मनी, आस्ट्रेलिया आदि विश्व के अनेकानेक देशों के 150 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिन्दी शिक्षण करवाया जा रहा है। विदेशों में ही 35 से अधिक पत्र–पत्रिकाएँ नियमित रूप से प्रकाशित हो रही हैं। भारत से बाहर प्रवासी भारतीय ही नहीं, विदेशी विद्वान भी अब हिन्दी साहित्य रचना कर रहे हैं।

इस ढाका विश्वविद्यालय में भी 2006 से हिन्दी भाषा का लघु पाठ्यक्रम शुरू हुआ तो हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा 2015 में हिन्दी तल का उद्घाटन किए जाने के बाद से जूनियर सर्टिफिकेट कोर्स शुरू हुआ। यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि हमारे हिन्दी शिक्षक डॉ. योगेश वासिष्ठ के प्रयासों व निदेशक आई.एम. एल. प्रो. भट्टाचार्जा के सहयोग से इस सत्र में हिन्दी का सीनियर सर्टिफिकेट कोर्स भी आरम्भ हो गया है। मैं आशा करता हूँ कि हिन्दी पीठ पर आईसीसीआर द्वारा अलग से हिन्दी शिक्षक की नियुक्ति हो जाने पर फ्रेंच, चाइनीज व जापानी भाषाओं की तरह हिन्दी का ऑनर्स पाठ्यक्रम भी यहाँ शुरू किया जा सकेगा, जिससे यहाँ के

छात्रों का इस भाषा की ओर रुझान बढ़ेगा। हिन्दी और यहाँ की बांग्ला भाषा की निकटता से न केवल छात्र जल्दी से इस भाषा को सीख जाते हैं बल्कि अपने आप को भारतीय संस्कृति से भी जोड़ पाते हैं, जो हमारी साँझी पूँजी है।

इस दृष्टि से हमारा इन्दिरा गाँधी सांस्कृतिक केन्द्र 2010 से अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जहाँ 2011 से हिन्दी का भी नियमित शिक्षण हो रहा है। इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि हम यहाँ के विद्यार्थियों के सहयोग से गरिमा पत्रिका प्रकाशित कर पा रहे हैं। इसके लिए मैं केन्द्र की निदेशिका डॉ. नीपा चौधुरी को भी बधाई देता हूँ और कामना करता हूँ कि हिन्दी शिक्षण के साथ–साथ विभिन्न आयोजनों के माध्यम से हिन्दी का यहाँ प्रसार होता रहेगा। मैं इस संस्थान के निदेशक व कुलपति महोदय को भी विश्वास दिलाता हूँ कि आधुनिक भाषा संस्थान में हिन्दी के संवर्धन के लिए भारतीय उच्चायोग सदैव हर सम्भव मदद को तत्पर रहेगा। आज के इस कार्यक्रम को अपनी उपस्थिति से सफल बनाने के लिए मैं इस सभागार में उपस्थित आप सभी का भारतीय उच्चायोग की ओर से धन्यवाद देता हूँ। जय हिन्द, जय हिन्दी, जय बांग्लादेश।